भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*94

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम बंगाल में पर्यटन परियोजनाएं

†*94. श्रीमती साजदा अहमद:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा आरंभ की गई पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान पर्यटन विकास परियोजनाओं के लिए सरकार को पश्चिम बंगाल सरकार से प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की पश्चिम बंगाल के हावड़ा में गडियारा के विकास के लिए कोई कार्य योजना अथवा प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

श्रीमती साजदा अहमद द्वारा पश्चिम बंगाल में पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*94 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के उनके प्रयासों में सहायता करता है । इस मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत वर्ष 2015-16 में 67.99 करोड़ रु. की राशि से तटवर्ती परिपथ थीम के तहत 'बीच परिपथ का विकास: उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रेजरगंज - बक्खलई - हेनरी द्वीप' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी थी । इस परियोजना के भौतिक रूप से पूरा होने की सूचना मिली है । पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को हाल ही में स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है । योजना दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारें/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए राज्य संदर्शी योजना तैयार करते हैं और उसके बाद पर्यटन मंत्रालय द्वारा इस योजना के तहत विकास हेतु गंतव्यों का चयन किया जाता है । पर्यटन मंत्रालय को पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार से एसडी 2.0 के अंतर्गत राज्य संदर्शी योजना प्राप्त नहीं हुई है ।

*****